From,

Achal Narain Saklani, HJS,
Registrar (J)(Infra-Sub.Courts),
High Court of Judicature at
Allahabad.

To,

All the District Judges/OSD,
Subordinate to High Court of Judicature at
Allahabad

No.: 573 **/InfraCell : Allahabad** **Date : July** 14 **, 2021**

Sub.: **Regarding problems of employees of the subordinate Courts relating to basic amenities.**

Sir,

On the captioned subject, I am enclosing herewith a copy of representation No.: 30/2021 dated 06.06.2021 of the President/General Secretary, Civil Court Employees Union (Uttar Pradesh) submitting therein certain problems, relating to basic amenities, faced by the employees of subordinate courts.

I am, therefore, directed to request you to kindly go through it and to take necessary steps to redress these grievances and if required, demand for funds be sent to the Hon'ble Court for required construction/installation/repair & maintenance as per prevailing directions of the Court.

With regards.

Yours faithfully,

14/07/2021

Registrar
(J)(Infra-Sub.Courts)

Encl.: As above

सत्यमेव जयते

दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश

अध्यक्षीय कार्यालय: जनपद न्यायालय, बदायूँ
कैम्प कार्यालय: जनपद न्यायालय, श्रावस्ती
(राजाज्ञा सं0 1083/7–137, 17/27–1928 तथा संख्या 99/7139, दिनांक 22 जनवरी 1931 द्वारा मान्यता प्राप्त)

डॉ0 नृपेन्द्र सिंह
प्रदेश अध्यक्ष
अध्यक्षीय कार्यालय बदांयू
सं0सूत्र: 9412462719, 9259049509

संदीप चौहान
संरक्षक
सं0सूत्र: 9451239147

नरेन्द्र विक्रम सिंह
प्रदेश महासचिव
महासचिव कार्यालय श्रावस्ती
सं0सूत्र: 9415572022, 7398372302

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
अभिषेक सिंह (इलाहाबाद)

उपाध्यक्ष
हरि शंकर श्रीवास्तव (लखीमपुर)
सैय्यद मोहम्मद ताहा (बाराबंकी)
विवेक दत्त उपाध्याय (फर्रूखाबाद)

उपाध्यक्ष (मनोनीत)
अमरेश चन्द दुबे (मिर्जापुर)
जय शंकर त्रिवेदी (बाराबंकी)
संजीव विश्वकर्मा (गौतमबुद्धनगर)
प्रतिभा तोमर (हापुड़)
विवेक त्रिपाठी (चन्दौली)
धीरेन्द्र सिंह (कानपुर देहात)
अवनीश श्रीवास्तव (इलाहाबाद)

संयुक्त सचिव
अनिल कुमार श्रीवास्तव (अम्बेडकरनगर)
प्रिय रंजन किशोर (बागपत)
प्रेम नारायण (सीतापुर)
संदीप कुमार यादव (सहारनपुर)

संयुक्त सचिव (मनोनीत)
श्रीभागवत शुक्ल (बस्ती)

संगठन सचिव
देवराज सिंह (अलीगढ़)
अवधेश खरे (ललितपुर)
सुधीर कुमार श्रीवास्तव (श्रावस्ती)
सुधीर कुमार विश्नोई (बिजनौर)

संगठन सचिव (मनोनीत)
अजय गर्ग (मुजफ्फरनगर)

कोषाध्यक्ष
नीरज श्रीवास्तव (लखनऊ)

सांस्कृतिक सचिव
रतन कुमार श्रीवास्तव (इलाहाबाद)

पत्रांक : 30/2021 **दिनाँक : 06/06/2021**

सेवा में,

श्रीमान् महानिबन्धक महोदय,
माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद।

विषय : अधीनस्थ न्यायालय कर्मचारियों की महत्वपूर्ण समस्याओं के सन्दर्भ में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में संघ द्वारा आज दिनांक 06.06.2021 को Zoom एप के माध्यम से वर्चुअल बैठक आहूत की गयी जिसमें अधीनस्थ न्यायालय कर्मचारियों की गम्भीर समस्याओं पर विस्तृत चर्चा हुई। **उपरोक्त क्रम में संघ माननीय न्यायालय के समक्ष पूर्ण श्रद्धा व विश्वास के साथ निम्न निवेदन करता है :-**

1) महोदय अधीनस्थ न्यायालयों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति लम्बे अरसे से एक गंभीर समस्या बना हुआ है। **स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति के लिये समुचित व्यवस्था ना होने के कारण कर्मचारीगण दूषित जल पीने के लिये विवश हैं जो कर्मचारियों में विभिन्न प्रकार की गम्भीर बीमारियों का कारक बनता जा रहा है।** महोदय न्यायालय परिसर में स्वच्छ जल की आपूर्ति न होने के कारण न्यायालय में तैनात सुरक्षा बलों, अधिवक्ताओं एवं आने वाले वादकारियों को भी उपरोक्त समस्याओं का सामना करना पड़ता है। **मा० न्यायालय से विनम्र अनुरोध है कि कृपया संज्ञान लेते हुए अधीनस्थ न्यायालयों में स्वच्छ पेयजल प्रबन्धन के लिये उचित आदेश पारित करने के कृपा करें।**

2) महोदय अधीनस्थ न्यायालयों में शौचालयों की समुचित देखरेख न होने के कारण शौचालय गन्दगी और दुर्गन्ध घर के रूप में स्थापित हो चुके हैं। शौचालयों की सफाई व उचित देख-रेख की व्यवस्था न होने से **न्यायालय में कार्य कर रहे महिला एवं पुरूष कर्मचारियों के समक्ष विभिन्न प्रकार का संकट उत्पन्न हो चुका है :-**

- कार्यालय समय में शासकीय कार्यों को छोड़कर शौचालय हेतु न्यायालय परिसर के बाहर जाना सम्भव नही होता। महोदय कोई व्यक्ति यदि यूरिन व शौच को कुछ समय रोकने की कोशिश करता है तो उसका कुप्रभाव सीधे गुर्दे, लीवर व आंत पर पड़ता है और यदि विवश होकर कोई कर्मचारी गंदगी से भरे शौचालयों का प्रयोग करता है तो अनेको प्रकार के संक्रमण यूरिन इन्फेक्शन, किडनी में समस्या, आंत्रशोध, डायरिया, पीलिया आदि होने की सम्भावनाएं बढ़ जाती है।
- अधीनस्थ न्यायालयों में शौचालय की सफाई न होने से तरह तरह के वायरस पैदा होते हैं तथा इन पर बैठने वाले कीट-पतंगे इनका वाहक बनकर इन वायरसों को दूर-दूर तक ले जाते हैं और इससे कई प्रकार की गम्भीर बीमारियां फैलाने की सम्भावनाएं बनी रहती हैं। शौचालय की गंदगी से पनपने वाले तरह तरह के संक्रमण का फैलना, कर्मचारियों में विभिन्न प्रकार की बीमारियों का बहुत बड़ा कारण बनता जा रहा है।

क्रमशः..... २ पर

(2)

सत्यमेव जयते

दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश

अध्यक्षीय कार्यालय: जनपद न्यायालय, बदायूँ
कैम्प कार्यालय: जनपद न्यायालय, श्रावस्ती
(राजाज्ञा सं0 1083/7-137, 17/27-1928 तथा संख्या 99/7139, दिनांक 22 जनवरी 1931 द्वारा मान्यता प्राप्त)

डॉ0 नृपेन्द्र सिंह
प्रांतीय अध्यक्ष
अध्यक्षीय कार्यालय बदायूं
सं0सूत्र: 9412462719, 9259049509

1443
08/06

संदीप चौहान
संरक्षक
सं0सूत्र: 9451239147

नरेन्द्र विक्रम सिंह
प्रदेश महासचिव
महासचिव कार्यालय श्रावस्ती
सं0सूत्र: 9415572022, 7398372302

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
अभिषेक सिंह (इलाहाबाद)
उपाध्यक्ष
हरि शंकर श्रीवास्तव (लखीमपुर)
सैय्यद मोहम्मद ताहा (बाराबंकी)
विवेक दत्त उपाध्याय (फर्रूखाबाद)
उपाध्यक्ष (मनोनीत)
अमरेश चन्द दुबे (मिर्जापुर)
जय शंकर त्रिवेदी (बाराबंकी)
संजीव विश्वकर्मा (गौतमबुद्धनगर)
प्रतिभा तोमर (हापुड़)
विवेक त्रिपाठी (चन्दौली)
धीरेन्द्र सिंह (कानपुर देहात)
अवनीश श्रीवास्तव (इलाहाबाद)
संयुक्त सचिव
अनिल कुमार श्रीवास्तव (अम्बेडकरनगर)
प्रिय रंजन किशोर (बागपत)
प्रेम नारायण (सीतापुर)
संदीप कुमार यादव (सहारनपुर)
संयुक्त सचिव (मनोनीत)
श्रीभागवत शुक्ल (बस्ती)
संगठन सचिव
देवराज सिंह (अलीगढ़)
अवधेश खरे (ललितपुर)
सुधीर कुमार श्रीवास्तव (श्रावस्ती)
सुधीर कुमार विश्नोई (बिजनौर)
संगठन सचिव (मनोनीत)
अजय गर्ग (मुजफ्फरनगर)
कोषाध्यक्ष
नीरज श्रीवास्तव (लखनऊ)
सांस्कृतिक सचिव
रतन कुमार श्रीवास्तव (इलाहाबाद)

-: 2 :-

माननीय न्यायालय से विनम्र अनुरोध है कि उपरोक्त समस्याओं के दृष्टिगत अधीनस्थ न्यायालयों में शौचालय की साफ सफाई हेतु उचित निर्देश देने तथा जिन अधीनस्थ न्यायालयों में आज तक सुलभ शौचालय की समुचित व्यवस्था नही हैं वहां शौचालय निर्मित करवाने अथवा शौचालय के लिये उचित व्यवस्था उपलब्ध करवाने हेतु आदेश पारित करने की कृपा करें।

3) महोदय समय परिवर्तन के साथ गर्मी का मौसम भीषण रूप लेता जा रहा है लेकिन अधीनस्थ न्यायालयों में जर्जर पंखे व अन्य उपकरणों में विगत कई वर्षों से कोई बदलाव नही किया गया है साथ ही न्यायालयों/ कार्यालयों के कमरे हवादार न होने के कारण कर्मचारियों को सफोगेशन जैसी समस्या से जूझना पड़ता है जिससे कर्मचारियो का कार्यालयी जनजीवन अस्त-व्यस्त रहता है। गर्मी से निजात देने वाले संसाधन (पंखे) स्वयं गम्भीर बीमारी की हालत में वर्षों से जर्जर अवस्था में पड़े है। महोदय भीषण गर्मी के मौसम से होने वाली समस्याओं के बीच कार्यालयी कार्यों को संपादित करना न्यायिक कर्मचारियों के समक्ष एक बहुत बड़ी चुनौती है, **माननीय न्यायालय से विनम्र निवेदन है कि वर्तमान परिदृष्य में भीषण गर्मी के प्रकोप से निजात दिलाने वाले विद्युत उपकरण (कूलर) व अन्य नवीन तकनीकी उपकरणों/संसाधानों को उपलब्ध करवाने हेतु आदेश पारित करने की कृपा करें।**

महोदय न्यायिक कर्मचारियों को हो रही असुविधाओं के मद्देनज़र कर्मचारी हित संघ द्वारा प्रेषित पत्र को माननीय न्यायालय के समक्ष कृपापूर्ण आदेशार्थ प्रस्तुत करने की कृपा करें।

संघ आपका आभारी रहेगा .....

आपका

(नरेन्द्र विक्रम सिंह)
प्रांतीय महासचिव
दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ
उत्तर प्रदेश

आपका

(डॉ0 नृपेन्द्र सिंह)
प्रांतीय अध्यक्ष
दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ
उत्तर प्रदेश